

---

# Shri Vivekanandapanchakam

---

## श्रीविवेकानन्दपञ्चकम्

---

### Document Information

Text title : Shri Vivekanandapanchakam

File name : vivekAnandapanchakam.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : Swami Ramakrishnananda

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीविवेकानन्दपञ्चकम्



अनित्यदृश्येषु विविच्य नित्यं  
तस्मिन् समाधत्ते इह स्म लीलया ।  
विवेकवैराग्यविशुद्धचित्तं  
योऽसौ विवेकी तमहं नमामि ॥ १ ॥

विवेकजानन्दनिमग्नचित्तं  
विवेकदानैकविनोदशीलम् ।  
विवेकभासा कमनीयकान्तिं  
विवेकिनं तं सततं नमामि ॥ २ ॥

ऋतं च विज्ञानमधिश्रयद् यत्  
निरन्तरं चादिमध्यान्तहीनम् ।  
सुखं सुरूपं प्रकरोति यस्य  
आनन्दमूर्तिं तमहं नमामि ॥ ३ ॥

सूर्या यथान्धं हि तमो निहन्ति  
विष्णुर्यथा दुष्टजनाञ्छिनत्ति ।  
तथैव यस्याखिलनेत्रलोभं  
रूपं त्रितापं विमुखी करोति ॥ ४ ॥

तं देशिकेन्द्रं परमं पवित्रं  
विश्वस्य पालं मधुरं यतीन्द्रम् ।  
हिताय नृणां नरमूर्तिमन्तं  
विवेक-आनन्दमहं नमामि ॥ ५ ॥



प्रणाममन्त्रः -

नमः श्रीयतिराजाय विवेकानन्दसूरये ।  
सच्चित्सुखस्वरूपाय स्वामिने तापहारिणे ॥

इति प्रणाममन्त्रसमेतस्वामिरामकृष्णानन्दविरचितं  
“श्रीमद्विवेकानन्दपञ्चकम्” सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Shri Vivekanandapanchakam*  
pdf was typeset on June 12, 2023  
——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

